PATRIMONIO MUNDIAL · WORLD HERITAGE · PATRIMOINE MONDIAL

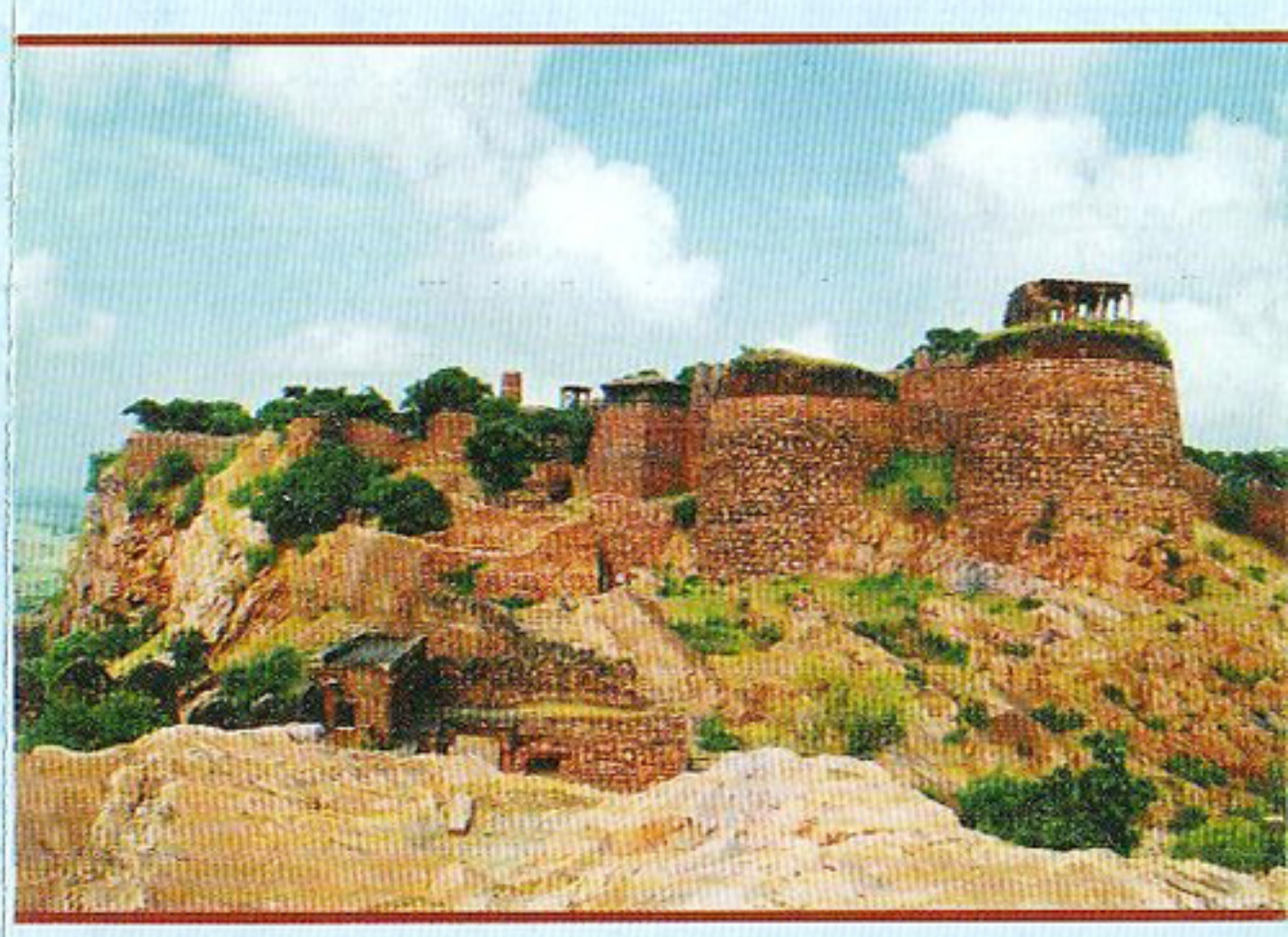

प्रत्नकीर्तिमपावृणु

बयाना एवं रूपवास के स्मारक

विरासत की रक्षा हेतु आगे आयें

भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण
जयपुर मण्डल, जयपुर
2009

प्राचीन काल में बयाना कई नामों यथा श्रीपुर, श्रीपथ, विजयमंदिरगढ़ एवं सुलतानकोट आदि से जाना जाता था एवं 12वीं सदी ई. के आसपास यह अपने बयाना नाम से प्रसिद्ध हुआ।

इस क्षेत्र की प्राचीनता गुप्तकाल तक जाती है। बयाना से लगभग 10 किमी की दूरी पर गुप्त स्वर्ण सिक्कों की एक बड़ी निधि प्राप्त हो चुकी है। सन 300 ई. के एक खण्डित अभिलेख से इस क्षेत्र में यौधेयों की उपस्थिति ज्ञात होती है। यौधेयों के पश्चात् संभवतः यह क्षेत्र वारिक जनजाति के अधीन आ गया था। विक्रम संवत् 428 (सन् 372 ई.) के एक अभिलेख में विष्णुवर्द्धन के द्वारा पुष्करीक यज्ञ हेतु एक यज्ञ–वेदी बनाये जाने का विवरण है। यह विष्णुवर्द्धन, गुप्तशासक समुद्रगुप्त का सामंत हो सकता है। विक्रम संवत्1020 (सन् 955 ई.) के बयाना अभिलेख में चित्रलेखा नामक एक रानी का उल्लेख है, जिसके द्वारा विष्णु मंदिर का निर्माण करवाया गया। सन् 1196 ई. में मुहम्मद गोरी ने बयाना पर आक्रमण किया एवं तत्कालीन शासक कुमारपाल को पराजित कर विजयमंदिरगढ़ एवं तहनगढ़ के किलों पर अधिकार कर लिया। उसने यहाँ तुर्की फौज की एक टुकड़ी को बहाउद्दीन तुगरिल के नेतृत्व में तैनात कर दिया। तुगरिल के पश्चात् इल्तुतमिश ने बयाना पर कब्जा कर लिया। इसके बाद यह क्रमशः बलबन, खिलजी, तुगलक, लोदी एवं मुगलों के हाथों में रहा और अंततः जाटों के क्षेत्राधिकार में चला गया।

बयाना किला : इस किले का निर्माण 11वीं सदी ई. में विजयपाल के द्वारा किया गया। मुस्लिम आक्रमणों के दौरान इसने एक महत्वपूर्ण सामरिक केन्द्र की भूमिका निभाई। यह किला एक पहाड़ी पर बना हुआ है। विशाल प्राचीर से घेरकर इसे बुर्जों के द्वारा सुदृढ़ कर दिया गया है। किले के अंदर अनेक महल, बावड़ी, हवेली, मंदिर, स्तंभ एवं मीनार मौजूद हैं। विक्रम संवत 428 (सन् 372 ई.) का एक अभिलेख का यहाँ होना अत्यंत महत्वपूर्ण है जिसमें पुष्करीक यज्ञ की पूर्णाहुति पर यहाँ एक बलिवेदी का निर्माण विष्णुवर्द्धन के द्वारा कराये जाने का उल्लेख है। यह संभावना व्यक्त की जाती है कि यह विष्णुवर्द्धन गुप्तशासक समुद्रगुप्त का सामंत रहा होगा। किले के भीतर स्थित इमारतों में हनुमानजी का मंदिर, रानी महल, भीमलाट एवं मीनार महत्वपूर्ण है।

झाजरी : यह एक मध्यकालीन इमारत है। इसमें स्तम्भों पर आधारित दक्षिणाभिमुख प्रवेश मंडप सहित

एक दर्गाकार कक्ष की योजना है। इसके पार्श्व स्तंभो व उनके बीच बने मेहराबों को पाषाणघटित जालियों द्वारा भरा गया है। प्रत्येक जाली का अलंकरण प्रतिरूप भिन्न–भिन्न है। इसकी छत गुम्बदाकार है जो अष्टकोणीय ग्रीवा पर आधारित है। मुख्य कक्ष के आंतरिक छत पर चित्रकारी के अवशेष अब भी मौजूद हैं। यह संरचना वस्तुतः एक भूमिगत कक्ष के ऊपर बना है।

उषा मंदिर : यह मंदिर एक वर्गाकार संरचना है जिसके मध्य में एक खुला प्रांगण है और इस प्रांगण के चतुर्दिक स्तंभों पर आधारित कक्ष बने है। इस मंदिर का निर्माण सन 955 ई. के आस पास हुआ जैसा कि विक्रम संवत् 1020 (सन् 955 ई.) के बयाना अभिलेख में

राजा महीपाल के काल में मंगलराज की पत्नी चित्रलेखा के द्वारा एक विष्णु मंदिर बनवाये जाने का उल्लेख मिलता है।

लोदी मीनार : यह मीनार सन्1447 में दाउद खान ओहदी द्वारा बनवाया गया था जिसने बयाना पर सन् 1456 ई. तक शासन किया। योजना में वृत्ताकार इस मीनार का व्यास 8.2 मीटर एवं उंचाई 12.3 मीटर है। इसके शीर्ष पर जाने के लिए गोल घुमती रेखा में 69 सीढ़ियों की व्यवस्था है। द्वारस्तंभो पर कुरान की आयतें बहुत संदरता से उत्कीर्ण की गई है। यहाँ से प्राप्त 926 हिजरी संवत् के अभिलेख में शाह इब्राहीम बिन सिकंदर बहलोल शाह का जिक्र आता है।

ब्रह्मवाद ईदगाह : गंभीरी नदी के तट पर ब्रह्मवाद गांव के निकट स्थित इस मस्जिद का प्रवेश एक मेहराबदार दरवाजे से होकर है जिसके दोनो पार्श्वों में स्तंभयुक्त छतरियों का सुंदर नियोजन हुआ है। पश्चिमी दीवार के मध्य में मिहराब है, जिसकी

नक्काशी अत्यंत सुंदर तरीके से ज्यामीतिक प्रतिरूपों में किया गया है। इसका लिवान स्तंभों वाले एक आयताकार कक्ष के रूप में बना है। मुख्य प्रवेशद्वार के स्तंभ पर उत्कीर्ण एक लेख में मुगल बादशाह अकबर द्वारा हिजरी संवत् 1010 (सन् 1601–02 ई.) में इस स्थल का भ्रमण किये जाने का उल्लेख है।

इस्लाम शाह गेट : यह दो मंजिला संरचना वस्तुतः इसके पीछे स्थित एक बावड़ी का प्रवेशद्वार

है। यह माना जाता है कि इसका निर्माण इस्लामशाह ने अपने पिता शेरशाह सूरी (1540–45 ई.) के कार्यकाल में कराया। प्रवेशद्वार के शीर्ष पर एक संगमरमर पट्टिका लगी है जिसपर नस्तालिक शैली में एक अभिलेख है।

जहांगीरी दरवाजा : लाल बलुआ पत्थरों से निर्मित यह मध्यकालीन प्रवेशद्वार स्थापत्य की अनूपाकार एवं सीधे शहतीरों वाले निर्माण शैली के संयुक्त प्रयोग के कारण विशिष्ट है। मेहराब के दोनों ओर के उपरी पार्श्वों में विकसित पुष्प का अलंकरण बना है। उपर के धरण को तीन स्तर वाले टोड़ों से सहारा प्रदान कर मजबूती दी गई है।

सराय सद उल्लाह : इस इमारत की दीवार पर खुदे एक अभिलेख के अनुसार इसका निर्माण शेख सद उल्लाह ने हिजरी संवत 973 (1565–66 ई.) में करवाया था। शेख सद उल्लाह सोलहवी सदी ई का एक प्रख्यात शिक्षाविद् था जो मुगल बादशाह अकबर के काल में बयाना में रह रहा था। इसका यह निवास इस्लामिक शिक्षा का एक प्रमुख केन्द्र था और अनेकानेक विद्वान यहाँ आया करते थे। यह इमारत योजना में वर्गाकार है और खुले केन्द्रीय प्रांगण के चतुर्दिक स्तंभों एवं धरणों पर आधारित कक्षों का निर्माण किया गया है।

लाल महल, रूपवास : रूपवास एक ऐतिहासिक शहर है जिसका वर्णन जहांगीर ने रूप सिंह के जागीर के रूप में किया है, जिसे कालान्तर में अमानुल्लाह को दे दिया गया था। रूपसिंह को चित्तौड़ के राणाओं का वंशज माना जाता है। उसने एक महल व जलाशय का निर्माण

करवाया। यह महल लाल बलुआ पत्थरों से निर्मित होने के कारण लाल महल के नाम से प्रसिद्ध है। इस महल के अंतर्गत कुल पाँच प्रांगण बने है जिसमें प्रवेश हेतु एक विशाल मेहराबदार दरवाजा है। यह 17 सदी ई. में बनाया गया प्रतीत होता है।

सूचना

- प्राचीन स्मारक एवं पुरातात्विक स्थल व अवशेष नियम 1959 के उप-नियम 32 तथा 1992 में जारी की गई अधिसूचना के अन्तर्गत संरक्षित सीमा से 100 मीटर तक और इसके आगे 200 मीटर तक के समीप एवं निकटस्थ का क्षेत्र खनन व निर्माण कार्य के लिए क्रमशः वर्जित तथा नियंत्रित क्षेत्र घोषित किया गया है। इस क्षेत्र में किसी भी प्रकार के भवनों की मरम्मत, परिवर्तन तथा निर्माण/नव-निर्माण हेतु भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण से पूर्वानुमति प्राप्त करना आवश्यक है।
- स्मारक और उद्यान सूर्योदय से सूर्यास्त तक खुला है।
- स्मारक की दीवारों पर अपना नाम न लिखें।
- फिल्मांकन हेतु अधीक्षण पुरातत्वविद् भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण, जयपुर की अनुमति आवश्यक है।
- वीडियोग्राफी शुल्क रु. 25/- प्रति स्मारक है।

प्रकाशन्

अधीक्षण पुरातत्वविद्

भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण

70/133.140, पटेल मार्ग, "कैलाश" मानसरोवर, जयपुर-302020

टेलीफैक्स : 0141-2784532 ई-मेल : asijpr@yahoo.co.in

Printed by : TPPL, JPR # 9829011091